Vol 1 Issue 6 Dec 2011

ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

.....More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.in

ISSN No-2231-5063 Vol.1,Issue.VI/Dec 2011pp.1-4

Research Paper

''फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति की प्रभाविता का बी.एड प्रशिक्षणार्थियों के प्रत्यक्ष व्यवहार निष्पत्ति के सन्दर्भ में अध्ययन''

KUDEEP MISHRA[1] and PRAMOD KUMAR GUPTA[2]
[1] RESEARCH SCHOLAR SCHOOL OF EDUCATION D.A.V.V. INDORE
[2]RESEARCHER, SCHOOL OF EDUCATION, D.A.V.V, INDORE

ABSTRACT

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में शिक्षक एवं विद्यार्थी के मध्य अन्तःक्रिया का होना अति आवश्यक है। शिक्षक एवं विद्यार्थी इस क्रियाविधि के मूल तत्व हैं। विभिन्न शिक्षाविद् जैसे गुड लैड (१९८४), बैलाक (१९६५) और जैक्सन (१९६८) ने इस पर शोध अध्ययन किया है। इन शोधकर्ताओं में से फ्लैण्डर्स (१९६३) ने कक्षा-कक्ष अन्तःक्रियाओं पर शोध कार्य किया एवं मौलिक रूप से एक अनुसंधान उपकरण का विकास किया जिसका नाम 'फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण रखा गया।

प्रस्तावना :

अन्तःक्रिया विश्लेषण की सहायता से कक्षा की समस्त क्रियाओं एवं व्यवहारों का निरीक्षण, समुचित अंकन तथा वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाता है। इसके माध्यम से शिक्षक की प्रभावशीलता तथा कक्षा के सामाजिक एवं भावात्मक वातावरण का मापन किया जाता है। फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण पद्धति शिक्षण कौशलों का विकास करने वाली व अत्यधिक प्रयोग में आने वाली अंकन पद्धति है। इस निरीक्षण पद्धति का निर्माण शाब्दिक आदान-प्रदान के प्रकार एवं गुणवत्ता का वर्गीकरण करने तथा प्राप्त सूचना को आव्यूह पर प्रदर्शित कर उसका विश्लेषण करने के लिए किया जाता है। इससे ज्ञात होता है कि किस प्रकार की अन्तःक्रिया वहाँ हो रही थी।

इस अंकन पद्धति के द्वारा किए गए अनुसंधान के परिणामस्वरूप फ्लैण्डर्स ने बताया कि कक्षा-कक्ष का लगभग दो तिहाई समय अन्तःक्रिया में चला जाता है अर्थात् इसके अन्तर्गत व्याख्यान देना, निर्देश देना एवं छात्रों को नियन्त्रित करना आदि सम्मिलित है। इससे स्पष्ट होता है कि कक्षा-कक्षा में अध्यापक ही शाब्दिक व्यवहार में अधिक समय व्यतीत करता है।

समस्या कथन

फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति की प्रभाविता का बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के प्रत्यक्ष व्यवहार निष्पत्ति के सन्दर्भ में अध्ययन।

शोध के उद्देश्य

- ★फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांकों की पृथक-पृथक रूप से तुलना करना।
- ★फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांकों की पृथक-पृथक रूप से तुलना करना।
- ★फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के माध्य फलांकों की पृथक-पृथक रूप से तुलना करना।

3.0.0 शोध की परिकल्पनाएँ

- ★फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांकों में पृथक-पृथक रूप से सार्थक अन्तर नहीं है।
- ★फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांकों में पृथक-पृथक रूप से सार्थक अन्तर नहीं है।
- ★फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के माध्य फलांकों में पृथक-पृथक रूप से सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध कार्य को सम्पन्न करने हेतु प्रयोगात्मक शोध विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध कार्य में न्यादर्श के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय से सम्बद्ध जयपुर महानगर के एक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के क्रमशः ३०, ३०, ३० बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों का उद्देश्यात्मक प्रतिचयन किया गया।

उपकरण

प्रस्तुत शोध में प्रदत्त संकलन हेतु माननकीकृत उपकरण के रूप में फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति का उपयोग किया गया।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ

प्रस्तुत शोध अध्ययन के संदर्भ में प्रदत्तो के विश्लेषण हेतु युग्म न्यादर्श 't' परीक्षण का प्रयोग किया गया।

प्रदत्तो का विश्लेषण :

- फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांकों की फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांकों की पृथक-पृथक रूप से तुलना करना। इस उद्देश्य से सम्बन्धित प्रदत्तों का विश्लेषण युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण की सहायता से पृथक-पृथक रूप से किया गया, जिसके प्राप्त परिणाम सारणी ८.१.१, ८.१.२, ८.१.३ में पृथक-पृथक रूप से दिए गए हैं

फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांकों की तुलना करना।

इस उद्देश्य से सम्बन्धित प्रदत्त का विश्लेषण युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण की सहायता से किया गया, जिसके परिणाम सारणी ८.१.१ में दिए गए है-

सारणी क्रमांक 8.1.1
सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के व्याख्यान देना व्यवहार के M,N, SD, df ***तथा युग्म न्यादर्श*** 't' ***परीक्षण का मान***

पूर्व एवं पश्च परीक्षण	N	M	SD	df	t
पूर्व व्याख्यान देना	३०	२१७.७३	७१.१०	२९	४.५५**
पश्च व्याख्यान देना	३०	१५८.६०			

✶सार्थकता स्तर पर

सारणी क्रमांक ८.१.१ से विदित होता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण का मान = ४.५५ है, जो कि ०.०१ स्तर पर सार्थक है जबकि df = २८ है। इसका तात्पर्य है कि पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर है। अतः शून्य परिकल्पना ''फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर नहीं है'' निरस्त की जाती है। सारणी ८.१.१ से स्पष्ट है कि पश्च व्याख्यान देना व्यवहार का माध्य फलांक १५८.६० है, जो कि पूर्व व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांक २१७.७३ से सार्थक रूप से निम्न है। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के व्याख्यान देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।

फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांकों की तुलना करना।

इस उद्देश्य से सम्बन्धित प्रदत्त का विश्लेषण युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण की सहायता से किया गया, जिसके परिणाम सारणी ८.१.२ में दिए गए है–

सारणी क्रमांक 8.1.2
विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के व्याख्यान देना व्यवहार के M,N, SD, ***कि तथा युग्म न्यादर्श*** 't' ***परीक्षण का मान***

पूर्व एवं पश्च परीक्षण	N	M	SD	df	t
पूर्व व्याख्यान देना	३०	१४६.४७	२०.६९	२९	९.०२**
पश्च व्याख्यान देना	३०	११२.३७			

**०.०१ सार्थकता स्तर पर

सारणी क्रमांक ८.१.२ से विदित होता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण का मान = ६.०२ है, जो कि ०.०१ स्तर पर सार्थक है जबकि कि त्र २८ है। इसका तात्पर्य है कि पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर है। अतः शून्य परिकल्पना ''फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर नहीं है'' निरस्त की जाती है। सारणी ८.१.२ से स्पष्ट है कि पश्च व्याख्यान देना व्यवहार का माध्य फलांक ११२.३७ है, जो कि पूर्व व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांक १४६.४७ से सार्थक रूप से निम्न है। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के व्याख्यान देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।

८.१.३ फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांकों की तुलना करना।

इस उद्देश्य से सम्बन्धित प्रदत्त का विश्लेषण युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण की सहायता से किया गया, जिसके परिणाम सारणी ८.१.३ में दिए गए है–

सारणी क्रमांक 8.1.3
भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के व्याख्यान देना व्यवहार के M,N, SD, df ***तथा युग्म न्यादर्श*** 't' ***परीक्षण का मान***

पूर्व एवं पश्च परीक्षण	N	M	SD	df	t
पूर्व व्याख्यान देना	३०	२१२.१७	६५.६७	२९	२.६९**
पश्च व्याख्यान देना	३०	१७९.८७			

**०.०१ सार्थकता स्तर पर

सारणी क्रमांक ८.१.३ से विदित होता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण का मान = २.६६ है, जो कि ०.०१ स्तर पर सार्थक है जबकि कि त्र २८ है। इसका तात्पर्य है कि पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर है। अतः शून्य परिकल्पना ''फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर नहीं है'' निरस्त की जाती है। सारणी ८.१.३ से स्पष्ट है कि पश्च व्याख्यान देना व्यवहार का माध्य फलांक १७६.८७ है, जो कि पूर्व व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांक २१२.१७ से सार्थक रूप से निम्न है। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के व्याख्यान देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।

८.२.० फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांकों की

फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांकों की पृथक-पृथक रूप से तुलना करना। इस उद्देश्य से सम्बन्धित प्रदत्तों का विश्लेषण युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण की सहायता से पृथक-पृथक रूप से किया गया, जिसके प्राप्त परिणाम सारणी ८.२.१, ८.२.२, ८.२.३ में पृथक-पृथक रूप से दिए गए हैं।

८.२.१ फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांकों की तुलना करना।

इस उद्देश्य से सम्बन्धित प्रदत्त का विश्लेषण युग्म न्यादर्श 't' परीक्षण की सहायता से किया गया, जिसके परिणाम सारणी ८.२.१ में दिए गए है–

सारणी क्रमांक 8.2.1
सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार के M,N, SD, df ***तथा युग्म न्यादर्श*** 't' ***परीक्षण का मान***

पूर्व एवं पश्च परीक्षण	N	M	SD	df	t
पूर्व निर्देश देना	३०	२३.००	१५.८४	२९	३.४६**
पश्च निर्देश देना	३०	३३.०३			

०.०१ सार्थकता स्तर पर

सारणी क्रमांक ८.२.१ से विदित होता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के युग्म न्यादर्श 't' परीक्षण का मान = ३.४६ है, जो कि ०.०१ स्तर पर सार्थक है जबकि df = २८ है। इसका तात्पर्य है कि पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर है। अतः शून्य परिकल्पना ''फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर नहीं है'' निरस्त की जाती है। सारणी ८.२.१ से स्पष्ट है कि पश्च निर्देश देना व्यवहार का माध्य फलांक ३३.०३ है, जो कि पूर्व निर्देश

देना व्यवहार के माध्य फलांक २३.०० से सार्थक रूप से उच्च है। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।

८.२.२ फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांकों की तुलना करना।

इस उद्देश्य से सम्बन्धित प्रदत्त का विश्लेषण युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण की सहायता से किया गया, जिसके परिणाम सारणी ८.२.२ में दिए गए है–

सारणी क्रमांक 8.2.2

विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार के M,N, SD, df ***तथा युग्म न्यादर्श*** 't' ***परीक्षण का मान***

पूर्व एवं पश्च परीक्षण	N	M	SD	df	t
पूर्व निर्देश देना	३०	१५.३७	५.७०	२९	१.६९
पश्च निर्देश देना	३०	१३.६०			

सारणी क्रमांक ८.२.२ से विदित होता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के युग्म न्यादर्श 't' परीक्षण का मान = १.६९ है, जो कि ०.०५ स्तर पर सार्थक नहीं है जबकि df = २९ है। इसका तात्पर्य है कि पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना ''फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित विज्ञान समूह के बी. एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर नहीं है'' निरस्त नहीं की जाती है। सारणी ८.२.२ से स्पष्ट है कि पश्च निर्देश देना व्यवहार का माध्य फलांक १३.६० है, जो कि पूर्व निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांक १५.३७ से सार्थक रूप से निम्न है। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी नहीं पाया गया।

८.२.३ फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांकों की तुलना करना।

इस उद्देश्य से सम्बन्धित प्रदत्त का विश्लेषण युग्म न्यादर्श 't' परीक्षण की सहायता से किया गया, जिसके परिणाम सारणी ८.२.३ में दिए गए है–

सारणी क्रमांक 8.2.3

भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार के M,N, SD, df ***तथा युग्म न्यादर्श*** 't' ***परीक्षण का मान***

पूर्व एवं पश्च परीक्षण	N	M	SD	df	t
पूर्व निर्देश देना	३०	३२.९०	२१.३९	२९	०.७६
पश्च निर्देश देना	३०	३५.९०			

सारणी क्रमांक ८.२.३ से विदित होता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के युग्म न्यादर्श 't' परीक्षण का मान = ०.७६ है, जो कि ०.०५ स्तर पर सार्थक नहीं है जबकि df = २९ है। इसका तात्पर्य है कि पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना ''फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर नहीं है'' निरस्त नहीं की जाती है। सारणी ८.२.३ से स्पष्ट है कि पश्च निर्देश देना व्यवहार का माध्य फलांक ३५.६० है, जो कि पूर्व निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांक ३२.६० से सार्थक रूप से उच्च है। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी नहीं पाया गया।

८.३.० फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के माध्य फलांकों की

फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के माध्य फलांकों की पृथक–पृथक रूप से तुलना करना। इस उद्देश्य से सम्बन्धित प्रदत्तों का विश्लेषण युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण की सहायता से पृथक–पृथक रूप से किया गया, जिसके प्राप्त परिणाम सारणी ८.३.१, ८.३.२, ८.३.३ में पृथक–पृथक रूप से दिए गए हैं।

८.३.१ फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के माध्य फलांकों की तुलना करना।

इस उद्देश्य से सम्बन्धित प्रदत्त का विश्लेषण युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण की सहायता से किया गया, जिसके परिणाम सारणी ८.३.१ में दिए गए है–

सारणी क्रमांक 8.3.1

सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के आलोचना व्यवहार के M,N, SD, df ***तथा युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण का मान***

पूर्व एवं पश्च परीक्षण	N	M	SD	df	t
पूर्व आलोचना	३०	४.३०	६.९०	२९	४.८३**
पश्च आलोचना	३०	१०.४०			

**०.०१ सार्थकता स्तर पर

सारणी क्रमांक ८.३.१ से विदित होता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के युग्म न्यादर्श 't' परीक्षण का मान = ४.८३ है, जो कि ०.०१ स्तर पर सार्थक है जबकि कत्रि २९ है। इसका तात्पर्य है कि पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर है। अतः शून्य परिकल्पना ''फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर नहीं है'' निरस्त की जाती है। सारणी ८.३.१ से स्पष्ट है कि पश्च आलोचना व्यवहार का माध्य फलांक १०.४० है, जो कि पूर्व आलोचना व्यवहार के माध्य फलांक ४.३० से सार्थक रूप से उच्च है। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के आलोचना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।

८.३.२ फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के माध्य फलांकों की तुलना करना।

इस उद्देश्य से सम्बन्धित प्रदत्त का विश्लेषण युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण की सहायता से किया गया, जिसके परिणाम सारणी ८.३.२ में दिए गए है–

सारणी क्रमांक 8.3.2

विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के आलोचना व्यवहार के M,N, SD, df ***तथा युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण का मान***

पूर्व एवं पश्च परीक्षण	N	M	SD	df	t
पूर्व आलोचना	३०	४.४७	१.८३	२९	३.७७**
पश्च आलोचना	३०	५.७३			

**०.०१ सार्थकता स्तर पर

सारणी क्रमांक ८.३.२ से विदित होता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के युग्म न्यादर्श 't' परीक्षण का मान = ३.७७ है, जो कि ०.०१ स्तर पर सार्थक है जबकि df = २९ है। इसका तात्पर्य है कि पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के माध्य

फलांकों में सार्थक अंतर है। अतः शून्य परिकल्पना ''फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर नहीं है'' निरस्त की जाती है। सारणी ८.३.२ से स्पष्ट है कि पश्च आलोचना व्यवहार का माध्य फलांक ५.७३ है, जो कि पूर्व आलोचना व्यवहार के माध्य फलांक ४.४७ से सार्थक रूप से उच्च है। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के आलोचना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।

फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के माध्य फलांकों की तुलना करना।

इस उद्देश्य से सम्बन्धित प्रदत्त का विश्लेषण युग्म न्यादर्श श्जश परीक्षण की सहायता से किया गया, जिसके परिणाम सारणी ८.३.३ में दिए गए है–

सारणी क्रमांक 8.3.3
भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के आलोचना व्यवहार के M,N, SD, df ***तथा युग्म न्यादर्श*** 't' ***परीक्षण का मान***

पूर्व एवं पश्च परीक्षण	N	M	SD	df	t
पूर्व आलोचना	३०	२.९७	४.९४	२९	४.६५**
पश्च आलोचना	३०	७.१७			

**०.०१ सार्थकता स्तर पर

सारणी क्रमांक ८.३.३ से विदित होता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के युग्म न्यादर्श 't' परीक्षण का मान = ४.६५ है, जो कि ०.०१ स्तर पर सार्थक है जबकि df = २९ है। इसका तात्पर्य है कि पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर है। अतः शून्य परिकल्पना ''फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर नहीं है'' निरस्त की जाती है। सारणी ८.३.३ से स्पष्ट है कि पश्च आलोचना व्यवहार का माध्य फलांक ७.१७ है, जो कि पूर्व आलोचना व्यवहार के माध्य फलांक २.९७ से सार्थक रूप से उच्च है। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के आलोचना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।

9.0.0 निष्कर्ष एवं विवेचना

९.१.० फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च व्याख्यान देना व्यवहार के माध्य फलांकों इस शोध उद्देश्य से प्राप्त निष्कर्ष इस प्रकार है–

(i).फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के व्याख्यान देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।
(ii).फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के व्याख्यान देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।
(iii).फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के व्याख्यान देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।

उपरोक्त निष्कर्षों की उद्देश्यवार विवेचना निम्नलिखित है–

फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के व्याख्यान देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया। इनका सम्भावित कारण यह हो सकता हैं कि शिक्षण प्रक्रिया में अधिकांश समय व्याख्यान के लिए ही आंवटित होता है ताकि उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सके। फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा प्रतिपुष्टि दिए जाने पर व्याख्यान के मुख्य घटक जैसे दैनिक जीवन से सम्बन्धित उदाहरण देना, विषय–वस्तु का तार्किक रूप से स्पष्टीकरण करना, कार्यकारण सम्बन्ध स्थापित करना, सारांश देना, इत्यादि का उपयोग प्रभावी तरीके से किया होगा। साथ ही विषय वस्तु के स्पष्टीकरण में महत्त्वपूर्ण शिक्षण बिन्दु की भूमिका देने, समालोचना करने तथा छात्रों का ध्यान केन्द्रित करने के लिए व्याख्यान व्यवहार का अधिक उपयोग किया होगा। सम्भवतः इन्हीं कारणों से फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के व्याख्यान देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया। इन परिणामों की पुष्टि बरनवाल (१९७८), खजूरिया (१९८१), मैसी (१९८१), रस्तोगी (१९८६), शाही (२०१०) के द्वारा किए गए शोध कार्यो से होती है।

९.२.०फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च निर्देश देना व्यवहार के माध्य फलांकों की

इस शोध उद्देश्य से प्राप्त निष्कर्ष इस प्रकार है–

(i).फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।
(ii).फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी नहीं पाया गया।
(iii).फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी नहीं पाया गया।

उपरोक्त निष्कर्षों की उद्देश्यवार विवेचना निम्नलिखित है–

फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया। इसका सम्भावित कारण यह हो सकता है कि सामाजिक विज्ञान विषय में तथ्यों की बहुलता होने के कारण बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा विद्यार्थियों का ध्यान विषय–वस्तु पर केन्द्रित करने के लिए बीच–बीच में आवश्यक निर्देश दिये गए होंगे। सम्भवतः इसी कारण से फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।

फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी नहीं पाया गया। इसका सम्भावित कारण यह हो सकता है कि विज्ञान विषय की प्रकृति सैद्धान्तिक होने के साथ–साथ प्रायोगिक भी है। विज्ञान विषय के बी.एड. प्रशिक्षाणार्थियों ने विषय वस्तु का प्रस्तुतीकरण तार्किक तथा व्यवस्थित ढंग से किया होगा तथा छात्रों का ध्यान पूरे समय शिक्षण के दौरान विषय वस्तु पर केन्द्रित रखा होगा। बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा विज्ञान शिक्षण में शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग होने के कारण विद्यार्थियों का ध्यान शिक्षण में केन्द्रित रहा होगा। सम्भवतः इन्हीं कारणों से फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी नहीं पाया गया। इस परिणाम की पुष्टि वशिष्ठ (१९७६), हाइ (२००६) के द्वारा किए गए शोध कार्यों से होती है।

फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी नहीं पाया गया। इसका सम्भावित कारण यह हो सकता है कि भाषा एक कौशल आधारित विषय है, जिसमें अभिव्यक्ति को उच्च स्थान है तथा भाषा विषय में बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा लेखकों के विचारों को बड़ी गहराई के साथ प्रस्तुत किया गया होगा तथा शिक्षण प्रक्रिया के दौरान छात्रों का ध्यान विषय वस्तु पर केन्द्रित रखा गया होगा। सम्भवतः इन्हीं कारणों से फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देश देना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी नहीं पाया गया। इस परिणाम की पुष्टि वशिष्ठ (१९७६), हाइ (२००६) के द्वारा किए गए शोध कार्यों से होती है।

९.३.० फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च आलोचना व्यवहार के माध्य फलांकों की पृथक–पृथक रूप से

तुलना करना।

इस शोध उद्देश्य से प्राप्त निष्कर्ष इस प्रकार है–

(i).फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के आलोचना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।
(ii).फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के आलोचना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।
(iii).फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के आलोचना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।

उपरोक्त निष्कर्षों की उद्देश्यवार विवेचना निम्नलिखित है–

फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं भाषा समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के आलोचना व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया। इनका सम्भावित कारण यह हो सकता है कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों को कक्षा शिक्षण एक निश्चित प्रारूप तथा समयबद्धता से सम्पन्न करना होता है, जिसके कारण बी.एड. प्रशिक्षणार्थी कक्षा में अधिक प्रजातांत्रिक तरीके से शिक्षण नहीं कर पाते हैं। चूँकि बी.एड. एक प्रशिक्षण कार्यक्रम है तथा विद्यार्थियों की अभिवृत्ति भी ऐसी होती है कि वे उन्हें एक नियमित शिक्षक न समझकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षक समझते हैं। इन्हीं कारणों से कक्षा में विद्यार्थी अधिक अनुशासनहीनता का वातावरण तैयार कर रहे होंगे। साथ ही बी.एड. प्रशिक्षणार्थी पाठयोजना के प्रस्तुतीकरण को अधिक गम्भीरता लेते है क्योंकि उनकी प्रत्येक पाठयोजना का अवलोकन निरीक्षक द्वारा किया जाता है। अतः प्रस्तुतीकरण के दौरान विद्यार्थियों द्वारा अनुशासनहीनता का वातावरण न निर्मित हो इसलिए उन्होंने इस व्यवहार का प्रदर्शन अधिक किया होगा। सम्भवतः इन्हीं कारणों से बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा इस व्यवहार का उपयोग अधिक किया गया होगा। इन परिणामों की पुष्टि ट्रेल (१९७०) के द्वारा किए गए शोध कार्यो से होती है।

शैक्षिक निहितार्थ

शिक्षकों के लिए

कक्षा में शिक्षण अधिगम स्थितियाँ शिक्षक एवं छात्र के कक्षागत व्यवहार से उत्पन्न होती है। कक्षागत व्यवहारों के अंतर्गत शिक्षक– छात्र अनुभूति स्वीकारोक्ति, प्रशंसा एवं प्रोत्साहन, छात्र विचार स्वीकारोक्ति, प्रश्न पूछना, व्याख्यान देना, निर्देश देना, आलोचना करना इत्यादि व्यवहार प्रदर्शित करता है। कक्षा में शिक्षक के व्यवहारों से प्रेरित होकर ही छात्र अनुक्रिया करते हैं तथा वह शिक्षक के व्यवहार का ही अनुसरण करना चाहते हैं। यदि सभी स्तरों के शिक्षकों को फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति में प्रशिक्षित करने पर उनके द्वारा छात्र अनुभूति स्वीकारोक्ति, प्रशंसा एवं प्रोत्साहन, छात्र विचार स्वीकारोक्ति, प्रश्न पूछना, व्याख्यान देना, निर्देश देना, आलोचना करना इत्यादि व्यवहारों को कक्षा में प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। अतः सभी स्तरों के शिक्षक फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति का कक्षागत व्यवहार में प्रयोग कर स्वयं के कक्षागत व्यवहारों में सुधार कर सकते हैं।

छात्राध्यापकों के लिए

प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्राध्यापकों को शिक्षा महाविद्यालयीन अध्यापकों द्वारा अनेक सूक्ष्म शिक्षण कौशलों जैसे – पुनर्बलन कौशल, प्रश्न कौशल, व्याख्यान कौशल, उद्दीपन परिवर्तन कौशल, उदाहरण सहित दृष्टांत कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इन छात्राध्यापकों को फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति का प्रशिक्षण देकर अध्यापन अभ्यास के दौरान फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति के आधार पर इन शिक्षण कौशलों की प्रभाविता का निरीक्षण किया जा सकता है। फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति के आधार पर अपेक्षित कक्षागत व्यवहार की जानकारी छात्राध्यापकों को दी जा सकती है, जिससे छात्राध्यापक स्वयं के कक्षागत व्यवहार में वांछनीय परिवर्तन कर सकते हैं तथा फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा साथी छात्राध्यापकों को उनके कक्षागत व्यवहारों के संदर्भ में प्रतिपुष्टि प्रदान कर उनके कक्षागत व्यवहारों में सुधार कर सकते हैं।

प्रशासकों के लिए

शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं में नीतियों का क्रियान्वयन का दायित्व प्रशासकों का होता है। प्रशासकों का दायित्व है कि वे शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं की गुणवत्ता को बनाए रखें, इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं के प्रशासकों द्वारा समय–समय पर शिक्षकों के कक्षागत व्यवहार का निरीक्षण किया जाए एवं इनके व्यवहार में आवश्यक सुधार के लिए प्रशासकों द्वारा फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति का प्रशिक्षण अध्यापकों को प्रदान किया जा सकता है। आवश्यकतानुसार इनके व्यवहार में फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा पृष्ठपोषण प्रदान कर कक्षागत व्यवहारों में उचित परिवर्तन किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रशासकों द्वारा शिक्षक चयन के समय उनकी शिक्षण प्रक्रिया फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा निरीक्षण कर उनके कक्षागत व्यवहारों का मापन किया जा सकता है।

विभिन्न विषयों के प्रशिक्षण में

शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं में शिक्षकों द्वारा विभिन्न विषयों का शिक्षण कार्य सम्पन्न किया जाता है। प्रत्येक शिक्षण विषय की प्रकृति अलग–अलग होती है। प्रत्येक विषय के शिक्षण के समय अध्यापकों द्वारा विभिन्न सामान्य कौशलों का प्रयोग किया जाता है। इन विभिन्न विषयों के शिक्षण में इन सामान्य कौशलों का विकास फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति के पृष्ठपोषण के माध्यम से किया जा सकता है साथ ही विभिन्न विषयों का शिक्षण कराने वाले अध्यापकों के लिए फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति के संदर्भ में प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करवाए जा सकते हैं। इससे विभिन्न विषयों के शिक्षण में फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति को प्रभावी रूप से प्रयोग किया जा सकता है।

शोध हेतु

शोधकर्ताओं द्वारा फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति का विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर विभिन्न विषयों के लिए मानक निर्धारण, आयु, लिंग सृजनात्मकता, व्यक्तित्व शिक्षण अनुभव एवं शिक्षण दक्षता इत्यादि चरों के सन्दर्भ मे शोध किया जा सकता है।

BIBLIOGRAPHY

1.Adegoke, B. A.(2011) Effect of Indirect Teacher influence on Dependent-prone Students Learning outcomes in secondary school mathematics, institute of education, . University of Ibadan, Nigeria, Electronic Journal of Research in Educational Psychology, 9(1), Pp. 283-308, ISSN: 1696-2095.
2.Khajuria, D. (1981). The typical patterns of Classroom Verbal Behaviour Exhibited by Successful Teachers of Language and Science, . Ph. D. Edu. Jammu U.
3.Massey, M. (1981). A study of the Effects of Training in the formulation and Usage of Behavioural Objectives on the Clasroom verbal Behaviour of in-Service Teachers. Ph.d. Edu., HPU.
4.Ratosgi, A. (1989). Biology teachers of public and Govt. Schools: comparative verbal interaction analyis. Indian Educational Review, Vol 24(4) : Pp. 120-124.
5.Shahi, R. S. (2010). Observation and Analysis of Classroom Teaching at Tertiary level Shodh Sanchayan. Vol. 1.
6.Amidon, E. (1967). Effect of indirect and direct teacher influence on dependent-prone students learning out comes in geometry. Adison- Wesley Pub. Co.
7.Amidon, E. (1967). Interaction Analysis as a Feedback System. Theory: Research and Application. USA: Addison-Wesley Reading, MA, Pp. 121-140.
8.Amidon, E. (1970). Interaction Analysis Theory, Research, and Application. USA: Addison- Wesley Reading, MA. Pp. 114-118.

9.Brophy, J. (1986). Teacher behaviour and student achievement. In M.C. Wittrock (ed.). New York: Handbook for research on teaching Macmillan, Pp. 328-375.
10.Campbell, J. (1972). Interaction analysis: A break through? inSperry, Len (ed.). Learning performance and individual differences. Glenview. Il: Scott, foresman and company.
11.Domike, G. (2002). Teacher- pupil interaction patterns and pupils' science achievement in Imo State. Phd. thesis. University of Calabar, Nigeria (Unpublished).
12.Etter, F. C. (2005). Use of the Flanders Interaction Analysis categories as a tool for providing descriptive data on the verbal interactions between mentor teachers and novice teachers during one-to-one conferences. southern Illinois university at carbondale.
13.Flander, N. (1963). "intent, Action and Feed back,". A Preparation for teaching. New York.: Journal of Teacher of Education Pp. 251-260.
14.Flander, N. (1967). Teacher influence in the classroom Interaction analysis: Theory Research, and application. USA : Addion- Wesley Reading, MA Pp. 103-116.
15.Flander, N. (1970). Analzing Teacher Behavior. Addison-Wesley. Reading, Mass P. 171.
16.Flanders, N. (1965). Teacher influence, Pupil Attitudes and Achievement,. Cooperative Research Monograph No. 12, Washington: U.S. Govt. Printing Office.
17.Gay, L. (2000). Competencies for Analysis and Application (5th ed). Educational Research. Florida International University. Pp. 448-457.
18.Hafiz-Mahmud, I. M. (2008). Teacher-Student verbal Interaction patterns At the Tertianry Level of Education. Contemporary Issues Edu. Res. 1(1) Pp 45-50.
19.Hai, S. K. (2006). Effectiveness of interaction analysis feedback on the verbal behaviour of primary school mathematics teachers, journal pendidik dan pandidikan. University Brunei Darussalam Jil 21, Pp. 115-128.
20.Inamullah, M. (2005). Patterns of Classroom interaction at Different Educational Lelves in the light of Flander's interaction Analysis. Pakistan: Universtiy of Arid Agriculture Rawalpindi, .
21.Jain, B. (1982). A Study of Classroom behaviour patterns of teachers in relation to their attitudes towards profession, Morale and values. Ph.D. Edu. JMI.
22.Joglekar, S. (1981). Study of the Patterns of Influence of Eighth grade Science teachers of Greater Bombay,. Ph.D. Edu., Bombay, U.
23.Kalu, I. (2008). Classroom interaction patterns and Students Learning outcomes in physics, Department of Curriculum and Teaching. University of Calabar, Calabar Nigeria, Journal of social Sciences 3 (1) : 57-60.
24.Kaur, J. (2001). "Effect of training in FIACS on some selected teaching skills". Agra., Indian Journal of Psychometry and Education Vol 32 No. 1 Page 69-72.
25.Mahendran, P. (2004). Effectiveness of Learning Attention for Facilitating Listening Comprehension. Ph. D. Edu. Alagappa University,
26.Zahed, B.A. (2010). Study of Teacher Students interaction in teaching process and its relation with students Achievement in primary schools,. Department of psychology, faculty of humanity, University of mohaghegh Ardabili, Ardabil, Payame Noor University, Iran, Journal of Social Sciences 5(1), 55-59.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.in